रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

युवाओं के दम पर 21वीं सदी का नेतृत्व करेगा भारत – कुलपति प्रो. मिश्र
"आत्मनिर्भर भारत में युवाओं की भूमिका" विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

जबलपुर 12 जनवरी। स्वामी विवेकानंद सर्वकालिक प्रासंगिक रहेंगे। उनके विचार हमेशा प्रेरणा देने वाले हैं। आज ये बात सबसे महत्वपूर्ण है कि कोई भी राष्ट्र अपनी युवा पूंजी का भविष्य के लिए निवेश किस रूप में करता है। देश के युवाओं को एक कुशल मानव संसाधन के रूप में विकसित करके एक स्वाभिमानी, सुखी, समृद्ध और सशक्त राष्ट्र के निर्माण में भागीदार बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। हम संकल्प लेते हैं कि राष्ट्रनिष्ठा, कर्तव्यनिष्ठा को लक्ष्य रखते हुए युवाओं को ज्ञान व रोजगार की दिशा में आगे बढ़ायेंगे। अगर 19वीं और 20वीं ब्रिटेन और अमेरिका की थी, तो मेरा मानना है कि 21वीं सदी का नेतृत्व भारत करेगा और वो भी युवाओं के दम पर। ये प्रेरक संदेश माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने आज विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस के मौके पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन के दौरान प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय युवा दिवस के मौके पर "आत्मनिर्भर भारत में युवाओं की भूमिका" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में मुख्य अतिथि के रूप में मप्र एएफआरसी चेयरमेन डॉ. रविन्द्र कन्हेरे ने कहा कि देश जब आयात में होने वाले नुकसान और निर्यात में वृद्धि की दिशा में अग्रसर होगा तो वह आत्मनिर्भर बनने की ओर हमारा सार्थक कदम होगा। भारत में 20 करोड़ युवा हैं। इस युवा शक्ति की सकारात्मक ऊर्जा का संतुलित उपयोग करना होगा। हमें इस पुरवाई का उपयोग विज्ञान, तकनीक, शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में करना होगा। यदि हम इस युवा शक्ति का सकारात्मक उपयोग करेंगे तो विश्व गुरु ही नहीं, अपितु विश्व का निर्माण करने वाले बन जायेंगे।

युवा शक्ति पर विश्वास और उन्हें सकारात्मक दिशा की ओर प्रेरित करें–

राष्ट्रीय वेबिनार के मुख्य वक्ता प्रो. उमेश सिंह, उच्च शिक्षा विभाग, मप्र शासन ने बताया कि स्वामी विवेकानंद के विचार, दर्शन और अध्यापन भारत की महान सांस्कृतिक और पारंपरिक संपत्ति हैं। युवा देश के महत्वपूर्ण अंग हैं, जो देश को आगे बढ़ाता है। इसी वजह से स्वामी विवेकानंद के आदर्शों और विचारों के द्वारा सबसे पहले युवाओं को चुना जाता है। इसलिये, भारत के सम्माननीय युवाओं को प्रेरित करने और बढ़ावा देने के लिये प्रतिवर्ष राष्ट्रीय युवा दिवस मनाने की शुरुआत हुई। स्वामी विवेकानंद हमेशा देश की ऐतिहासिक परंपरा को बनाने और नेतृत्व करने के लिये युवा शक्ति पर विश्वास करते थे और मानते थे कि विकसित होने के लिये देश के द्वारा उन्नति की जरुरत है। जो युवाओं को सकारात्मक दिशा में प्रेरित करके हो सकती है। राष्ट्रीय वेबिनार का संचालन आयोजन सह समन्वयक सहायक प्राध्यापक श्री अश्विनी जायसवाल एवं आभार प्रदर्शन आयोजन संयोजक प्रो. विवेक मिश्रा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण रादुविवि ने किया। इस अवसर पर सभी शैक्षणिक विभागों के शिक्षक एवं विद्यार्थी ऑनलाईन मौजूद रहे।

बायो डिजाइन इनोवेशन सेन्टर में 'स्वामी विवेकानंद' पर ऑनलाईन वेबिनार

जबलपुर 12 जनवरी। रादुविवि के बायो डिजाइन इनोवेशन सेन्टर (डीआईसी) द्वारा 'स्वामी विवेकानंद' पर अपरान्ह 3.30 बजे आयोजित एक दिवसीय ऑनलाईन वेबिनार की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने कहा कि स्वामी जी का जन्म ऐसे विषमताओं के बीच में हुआ था जब देश राजनीतिक, आर्थिक एवं सामाजिक दासता से जूझ रहा था। स्वामी जी ने कहा था कि आप निराश न हों, संघर्ष करते रहें लक्ष्य की प्राप्ति होगी।

ऑनलाईन वेबिनार के मुख्य अतिथि एवं वक्ता डॉ. जीतेन्द्र जामदार ने माँ नर्मदा के चरणों में नमन करते हुए रोचकपूर्ण ढंग से स्वामी विवेकानंद का संक्षिप्त जीवन वृतांत पर प्रकाश डाला और कहा कि स्वामी जी ने जब पूरा भारतीय समाज घोर निराशा में डूबा हुआ था तब नई ऊर्जा का प्रकाश बिखेरा। उन्होंने वैश्विक धर्म की कल्पना की थी और एक पराधीन देश में योद्धा बनकर निकले और विश्व में सनातन धर्म का परचम पहराया। स्वामी जी का कहना था–उठो और जागो, तब तक चलते रहो जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो।

ऑनलाईन वेबिनार में श्री परवेश खन्ना, राष्ट्रीय महासचिव, राष्ट्रीय सुरक्षा मंच एवं श्री नितिन भाटिया, जिला संयोजक, राष्ट्रीय सुरक्षा मंच ने भी अपने बहुमूल्य विचार रखे। डीआईसी के निदेशक प्रो. एस.एस. संधु ने स्वागत भाषण का वाचन एवं संचालन किया।

इस अवसर डीआईसी के डॉ. सुनील कुमार, अतीत जावरे, लोकनाथ देशमुख सहित विभागों के छात्र–छात्राओं की सहभागिता रही।

शोक सभा आयोजित

जबलपुर 12 जनवरी। रादुविवि के मुख्य प्रशासनिक भवन में विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष एवं आचार्य डॉ. बैजनाथ शर्मा के आकस्मिक निधन पर समस्त अध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं की सम्मिलित शोकसभा आयोजित की गई। शोक संदेश का वाचन कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र द्वारा किया गया।

इस अवसर पर प्रो. जे.एम. केलर, प्रो. कमलेश मिश्रा, प्रो. राकेश बाजपेयी, डॉ. लोकेश श्रीवास्तव, प्रो. पी.के. खरे, प्रो. ए.के. गिल, सहायक कुलसचिव श्री अभयकांत मिश्रा, श्री राजमणि नासेरी, श्रीलाल बैगा सहित शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

रादुविवि जनसम्पर्क प्रकोष्ठ/क्रमांक/963/12.01.2021